Prepp
Your Personal Exams Guide

इस पुस्तिका में **16** मुद्रित पृष्ठ हैं।
This Booklet contains **16** printed pages.

Language Code
16

CEF–26–I

प्रश्न-पत्र—I / PAPER—I
संस्कृत भाषा परिशिष्ट
SANSKRIT LANGUAGE SUPPLEMENT
भाग IV & V / PART IV & V

Main Test Booklet No. / मुख्य परीक्षा पुस्तिका संख्या

Main Test Booklet Code / मुख्य परीक्षा पुस्तिका कोड
V

इस परीक्षा पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए।
Do not open this Test Booklet until you are asked to do so.

इस परीक्षा पुस्तिका के पिछले आवरण (पृष्ठ संख्या 16) पर दिए गए निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।
Read carefully the Instructions on the Back Cover (Page No. 16) of this Test Booklet.

संस्कृत में निर्देशों के लिए इस पुस्तिका की पृष्ठ संख्या 2 व 15 देखें। / For Instructions in Sanskrit, see Page Nos. 2 and 15 of this Booklet.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. यह पुस्तिका मुख्य परीक्षा पुस्तिका की एक परिशिष्ट है, उन परीक्षार्थियों के लिए जो **या** तो भाग—IV (भाषा—I) **या** भाग—V (भाषा—II) **संस्कृत** भाषा में देना चाहते हैं, लेकिन **दोनों नहीं**।
2. परीक्षार्थी भाग I एवं भाग II **या** III के उत्तर मुख्य परीक्षा पुस्तिका से दें और भाग IV व V के उत्तर उनके द्वारा चुनी भाषाओं से।
3. अंग्रेजी व हिन्दी भाषा पर प्रश्न मुख्य परीक्षा पुस्तिका में भाग—IV व भाग—V के अन्तर्गत दिए गए हैं। भाषा परिशिष्टों को आप अलग से माँग सकते हैं।
4. इस पृष्ठ पर विवरण अंकित करने एवं उत्तर-पत्र पर निशान लगाने के लिए **केवल नीले/काले बॉलपॉइंट पेन** का प्रयोग करें।
5. इस भाषा पुस्तिका का **संकेत V** है। यह सुनिश्चित कर लें कि इस भाषा परिशिष्ट परीक्षा पुस्तिका का संकेत, उत्तर-पत्र के **पृष्ठ-2** एवं मुख्य परीक्षा पुस्तिका पर छपे संकेत से मिलता है। अगर यह भिन्न हो, तो परीक्षार्थी दूसरी भाषा परिशिष्ट परीक्षा पुस्तिका लेने के लिए निरीक्षक को तुरन्त अवगत कराएँ।
6. इस परीक्षा पुस्तिका में **दो** भाग IV और V हैं, जिनमें **60** वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं तथा प्रत्येक 1 अंक का है :

   भाग—IV : भाषा—I (संस्कृत) (प्रश्न सं॰ 91–120)
   भाग—V : भाषा—II (संस्कृत) (प्रश्न सं॰ 121–150)
7. भाग—IV में भाषा—I के लिए 30 प्रश्न और भाग—V में भाषा—II के लिए 30 प्रश्न दिए गए हैं। इस परीक्षा पुस्तिका में केवल संस्कृत भाषा से सम्बन्धित प्रश्न दिए गए हैं। **यदि भाषा—I और/या भाषा—II में आपके द्वारा चुनी गई भाषा(एँ) संस्कृत के अलावा है/हैं, तो कृपया उस भाषा वाली परीक्षा पुस्तिका माँग लें। जिन भाषाओं के प्रश्नों के उत्तर आप दे रहे हैं वह आवेदन-पत्र में चुनी गई भाषाओं से अवश्य मेल खानी चाहिए।**
8. **परीक्षार्थी भाग—V (भाषा—II) के लिए, भाषा सूची से ऐसी भाषा चुनें जो उनके द्वारा भाषा—I (भाग—IV) में चुनी गई भाषा से भिन्न हो।**
9. रफ़ कार्य परीक्षा पुस्तिका में इस प्रयोजन के लिए दी गई खाली जगह पर ही करें।
10. सभी उत्तर केवल OMR उत्तर-पत्र पर ही अंकित करें। अपने उत्तर ध्यानपूर्वक अंकित करें। उत्तर बदलने हेतु श्वेत रंजक का प्रयोग निषिद्ध है।

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. This Booklet is a supplement to the Main Test Booklet for those candidates who wish to answer **EITHER** Part—IV (Language—I) **OR** Part—V (Language—II) in **SANSKRIT** language, but **NOT BOTH**.
2. Candidates are required to answer Part I and Part II **OR** III from the Main Test Booklet and Parts IV and V from the languages chosen by them.
3. Questions on English and Hindi languages for Part—IV and Part—V have been given in the Main Test Booklet. Language Supplements can be asked for separately.
4. Use **Blue/Black Ballpoint Pen only** for writing particulars on this page/marking responses in the Answer Sheet.
5. The CODE for this Language Booklet is **V**. Make sure that the CODE printed on **Side-2** of the Answer Sheet and on your Main Test Booklet is the same as that on this Language Supplement Test Booklet. In case of discrepancy, the candidate should immediately report the matter to the Invigilator for replacement of the Language Supplement Test Booklet.
6. This Test Booklet has **two** Parts, IV and V, consisting of **60** Objective-type Questions and each carrying 1 mark :

   Part—IV: Language—I (Sanskrit) (Q. Nos. 91–120)
   Part—V : Language—II (Sanskrit) (Q. Nos. 121–150)
7. Part—IV contains 30 questions for Language—I and Part—V contains 30 questions for Language—II. In this Test Booklet, only questions pertaining to Sanskrit Language have been given. **In case, the language(s) you have opted for as Language—I and/or Language—II is/are language(s) other than Sanskrit, please ask for a Test Booklet that contains questions on that language. The languages being answered must tally with the languages opted for in your Application Form.**
8. **Candidates are required to attempt questions in Part—V (Language—II) in a language other than the one chosen as Language—I (Part—IV) from the list of languages.**
9. Rough work should be done only in the space provided in the Test Booklet for the same.
10. The answers are to be recorded on the OMR Answer Sheet only. Mark your responses carefully. No whitener is allowed for changing answers.

परीक्षार्थी का नाम (बड़े अक्षरों में) :
Name of the Candidate (in Capitals) : ____________________

अनुक्रमांक (अंकों में)/Roll Number (in figures) : ____________________
(शब्दों में)/(in words) : ____________________

परीक्षा-केन्द्र (बड़े अक्षरों में) :
Centre of Examination (in Capitals) : ____________________

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर :
Candidate's Signature : ____________________

निरीक्षक के हस्ताक्षर :
Invigilator's Signature : ____________________

Facsimile Signature Stamp of Centre Superintendent ____________________

Prepp
Your Personal Exams Guide

अस्यां पुस्तिकायां **16** पृष्ठानि सन्ति।

CEF–26–I

परीक्षा-पुस्तिका-संकेतकम्

V

Language Code
16

प्रश्नपत्रम्—I

संस्कृत-भाषा-परिशिष्टम्

भागः IV एवं V

यावन्न कथ्येत तावत् इयं परीक्षा-पुस्तिका न अनावरणीया।

अस्याः परीक्षा-पुस्तिकायाः पृष्ठावरणयोः (पृष्ठे 15 एवं 16) प्रदत्ताः निर्देशाः ध्यानपूर्वकं पठनीयाः।

परीक्षार्थिभ्यो निर्देशाः —

1. इयं पुस्तिका मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकायाः एकं परिशिष्टं तेभ्यः परीक्षार्थिभ्यः अस्ति ये IV भागस्य (भाषा I) **अथवा** V भागस्य (भाषा II) परीक्षां **संस्कृत**भाषया दातुमिच्छन्ति, **न तु द्वयोः भागयोः**।
2. परीक्षार्थिभिः भाग I, II, III भागानाम् उत्तराणि मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकातः देयानि अपि च IV तथा V भागानाम् उत्तराणि तैः चिताभिः भाषाभिः।
3. आंग्लभाषायां हिन्दीभाषायां च प्रश्नाः मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकायां IV भागे तथा V भागे च प्रदत्ताः। भाषा-परिशिष्टानि भवद्भिः पृथकृतया याचितुं शक्यन्ते।
4. अस्मिन्पृष्ठे च विवरणम् अङ्कयितुम् उत्तर-पत्रे च चिह्नम् अङ्कयितुं **केवलं कृष्ण/नील-बाल-पाइन्ट-लेखन्याः** प्रयोगः अनुमतः।
5. अस्याः भाषा-पुस्तिकायाः संकेतकं **V** वर्तते। एतच्च निश्चेतव्यं यदस्याः भाषा-परिशिष्ट-पुस्तिकायाः संकेतकम् उत्तर-पत्रस्य **पृष्ठ-2** उपरि प्रकाशितेन संकेतेन साम्यं भजति। एतदपि निश्चेतव्यं यत् मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकासंख्या उत्तर-पत्रसंख्या च परस्परं साम्यं भजेते। यदि चात्र किमपि अन्तरमस्ति तदा छात्रेण निरीक्षकमहाभागः सम्प्रार्थनीयः यत्स द्वितीयां भाषा-परिशिष्ट-परीक्षा-पुस्तिकां ददातु।
6. अस्यां परीक्षा-पुस्तिकायां **द्वौ** भागौ स्तः — IV तथा V, एतेषु 60 वस्तुनिष्ठाः प्रश्नाः सन्ति, प्रत्येकं च एकमङ्कं धारयति—

   भागः IV : भाषा I (संस्कृतम्) (प्रश्न संख्या 91 तः 120 पर्यन्तम्)

   भागः V : भाषा II (संस्कृतम्) (प्रश्न संख्या 121 तः 150 पर्यन्तम्)
7. IV भाषा I भागे 30 प्रश्नाः, V भाषा II भागे च 30 प्रश्नाः सन्ति। अस्यां च परीक्षा-पुस्तिकायां केवलं संस्कृतभाषासम्बद्धाः प्रश्नाः सन्ति। **यदि भाषा I उत वा भाषा II इत्येतयोः भवता संस्कृत-अतिरिक्ते भाषे चिते, तदा तद्भाषासम्बद्धा परीक्षा-पुस्तिका याचनीया। यस्याः अपि भाषायाः प्रश्नानाम् उत्तराणि भवता प्रदीयन्ते, सा भाषा नूनम् आवेदनपत्रे अभीष्टभाषाभिः सह संवदेत्।**
8. **परीक्षार्थिभिः भागः V (भाषा II) कृते, भाषातालिकातः सा भाषा चयनीया या तैः भाषा I (भागे IV) चितायाः अभीष्टभाषातः भिन्ना स्यात्।**
9. रफ कार्यं परीक्षा-पुस्तिकायां निर्धारितस्थाने एव कार्यम्।
10. सर्वाणि उत्तराणि OMR उत्तर-पत्रिकायामेव अङ्कनीयानि। सावधानमनसा चैतद् अङ्कनीयम्। उत्तरे परिवर्तनार्थं श्वेत-रञ्जकस्य प्रयोगो निषिद्धः।

परीक्षार्थिनः नाम : ______________________

अनुक्रमाङ्कः (अङ्केषु) : ______________________

(शब्देषु) : ______________________

परीक्षाकेन्द्रम् : ______________________

परीक्षार्थिनः हस्ताक्षरम् : ______________ निरीक्षकस्य हस्ताक्षरम् : ______________

Facsimile signature stamp of
Centre Superintendent ______________________

Prepp
Your Personal Exams Guide

अभ्यर्थिनः **चतुर्थभागस्य** (**Part–IV**) प्रश्नानाम् (प्र० सं० **91–120**) उत्तराणि दद्युः, यदि तैः **संस्कृतं प्रथमभाषा** (**Language—I**)-रूपेण चितम्।

Candidates should attempt the questions from **Part–IV (Q. Nos. 91–120)**, if they have opted **SANSKRIT** as **Language—I** only.

Prepp
Your Personal Exams Guide

PART—IV / भागः —IV

LANGUAGE—I / भाषा—I
Sanskrit / संस्कृतम्

अभ्यर्थिनः **चतुर्थभागस्य** (Part–IV) प्रश्नानाम् (प्र० सं० **91–120**) उत्तराणि दद्युः, यदि तैः **संस्कृतं प्रथमभाषा** (Language—I)-रूपेण चितम्।

91. अङ्किता इति अवबोधपूर्वकं विभिन्नाः षट्भाषाः भाषमाणे सक्षमा अस्ति। तस्याः भाषिकक्षमताकारणेन सा किं भवितुं शक्नोति?

(1) भाषाविद्
(2) बहुभाषाभाषिणी
(3) द्विभाषाभाषिणी
(4) एकभाषाभाषिणी

92. भवतां रुचिः कूटमिश्रणे, कूटपरिवर्तने, शिशुभाषायाः गुप्तभाषाणामध्ययने चास्ति।
उपर्युक्तानां समेषां विषयाणामध्ययनाय भवता कस्य विषयस्य अध्ययनं करणीयम्?

(1) मानवशास्त्रम्
(2) समाजशास्त्रम्
(3) सामाजिक-भाषाविज्ञानम्
(4) सांस्कृतिकमनोविज्ञानम्

93. अधोऽङ्कितेषु कः तुलनात्मकविश्लेषणस्य अंशो नास्ति?

(1) अर्थगतम् (Semantic)
(2) कोशविषयकम् (Lexical)
(3) स्वनिमिक इति (Phonological)
(4) वाक्यगतम् (Syntactic)

94. भवता दृष्टम्, यत् एका आङ्गलभाषायाः अध्यापिका कक्षायां स्वच्छन्देन मातृभाषां प्रयुङ्क्ते। सा कतमां प्रक्रियामनुसरति?

(1) व्याकरणानुवाद-प्रक्रियाम्
(2) संरचनात्मक-मौखिक-स्थिति-प्रक्रियाम्
(3) प्रत्यक्षविधिम्
(4) श्रव्य-भाषिकां प्रक्रियाम्

95. संक्षिप्तरूपेण लेखनस्य एका योग्यता, यस्यां निश्चितार्थं प्राप्तुं कान्यपि परिहार्याणि विवरणानि न समाविष्टाणि, कथ्यते—

(1) प्रक्रियालेखनम्
(2) टिप्पणी-ग्रहणम्
(3) टिप्पणी-निर्माणम्
(4) संक्षेपणम्

96. वाक्-अभिव्यक्तीनां मूल्यांकनं केन प्रभावशालिरूपेण क्रियते?

(1) शब्दचयनम् (Words selection)
(2) वाचः ध्वनिः (Tone of voice)
(3) वाणी (Vocals)
(4) वाचः गतिः (Speed of voice)

97. कक्षायाम् उपवेशनव्यवस्था शिथिलतायुता स्यात्। यतो हि—

(1) अनेन सारल्येन समूहनिर्माणम्, द्वयोः द्वयोः समूहनिर्माणम्, समग्रकक्षायाः गतिविधयश्च सम्पत्स्यन्ते
(2) अनेन छात्राः स्वासन्दान् स्वेच्छया यत्र कुत्रापि यदा च ते इच्छन्ति, नेतुं स्वतन्त्राः भवन्ति
(3) अनेन अध्यापिका स्वकक्षायां समानतायाः स्थापने समर्था भविष्यति
(4) अनेन बालकाः स्थायिमित्राणां समूहनिर्माणे अक्षमाः भविष्यन्ति

Prepp
Your Personal Exams Guide

98. प्राथमिकस्तरे पठनकौशलाकलनाय भाषायाः अध्यापकः प्राधान्येन कुत्र ध्यानं दद्यात्?

(1) विरामादि चिह्नानां प्रयोगे
(2) धाराप्रवाहरूपेण पठने
(3) अवबोधपूर्वकं पठने
(4) वर्णमालायाः अक्षराणां परिज्ञाने

99. प्रभावशाली-सम्प्रेषणार्थं किमस्ति महत्त्वपूर्णम्?

(1) निरन्तरं यत्र-तत्र गमनं, हाव-भाव-प्रदर्शनञ्च
(2) मनसि आगतानां विचाराणां कथनम्
(3) प्राक् अन्येषां वचनानां श्रवणम्
(4) नियमितेन अन्तरालेन अन्यैः सह हस्तक्षेपम्

100. आङ्गलभाषायाः व्याकरण-अध्यापनस्य किं मुख्यमुद्देश्यम्?

(1) भाषणे लेखने च विचाराणां सटीकतया सह तथा च तार्किकतया सह अभिव्यक्तेः योग्यतायाः विकासः
(2) नियमान् कण्ठस्थीकरणस्य योग्यतायाः विकासः
(3) अध्ययने रुच्याः विकासः
(4) स्वविचाराणां मौलिकतायाः वृद्धिः

101. प्राथमिकस्तरे शिक्षार्थिनां लेखनकौशलविकासार्थम् अध्यापिका स्वकीयछात्रान् कं विषयम् अधिकृत्य लेखनाय प्रोत्साहयेत्?

(1) धार्मिकविश्वासाः
(2) व्यक्तिगतजीवनम्
(3) सामाजिकसमस्याः
(4) राष्ट्रीयविषयम्

102. भवान् स्वकक्षायां छात्राणां सोपानीकरणार्थं तेषां व्यक्तिगतान्तरान् परिज्ञातुं इच्छति। एतदुद्देश्यं प्राप्तुं भवान् अधोलिखितेषु कस्य आकलनस्य प्रयोगं कुर्यात्?

(1) निदानात्मक-आकलनम्
(2) योगात्मक-आकलनम्
(3) रचनात्मक-आकलनम्
(4) सहपाठी-आकलनम्

103. चॉमस्की प्रतिपादयति यत् भाषायाः अर्जनस्य सहजाता क्षमता अस्माकम् अद्वितीयजैविकवंशानुक्रमस्य एव परिणामोऽस्ति। अस्य वंशानुक्रमस्य ज्ञानं कथं भवति?

(1) भाषायाः अर्जनक्षेत्रेण
(2) भाषायाः स्वीकारेच्छया
(3) भाषायाः अर्जन-उपकरणेन
(4) भाषायाः अनुकूलनपदेन

104. भाषायां ध्वनेः लघुतमः सार्थकः एककः किं भवति?

(1) स्वनिम् (Phoneme)
(2) रूपिम् (Morpheme)
(3) वाक्यविज्ञानम् (Syntax)
(4) अर्थतत्त्वम् (Semantics)

105. मासद्वयस्य मासत्रयस्य वा शिशवः मुक्तस्वरेण ध्वनीनामुच्चारणं कुर्वन्ति। अधोऽङ्कितेषु कस्येदमुदाहरणम्?

(1) अव्यक्तवाक् (Babbling)
(2) क्रोशः (Shouting)
(3) एकशब्दीय-उच्चारणम् (One-word utterances)
(4) कूजनम् (Cooing)

Prepp
Your Personal Exams Guide

निर्देशः —अधोलिखितान् श्लोकान् पठित्वा प्रश्नानां (**106–111**) विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत।

सर्वहिंसानिवृत्ता ये नराः सर्वे सहाश्च ये।
सर्वस्याश्रयभूताश्च ते नराः स्वर्गगामिनः॥

एक एव सुहृद्धर्मो निधनेऽप्यनुयाति यः।
शरीरेण समं नाशं सर्वमन्यत्तु गच्छति॥

योऽत्ति यस्य यदा मांसमुभयोः पश्यतान्तरम्।
एकस्य क्षणिका प्रीतिरन्यः प्राणैर्विमुच्यते॥

मर्तव्यमिति यद्दुःखं पुरुषस्योपजायते।
शक्यते नानुमानेन परेण परिवर्णितुम्॥

अयं निजः परो वेति गणना लघुचेतसाम्।
उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम्॥

106. मृत्योरनन्तरं परलोके किं सार्धं गच्छति?
(1) परोपकारः
(2) सत्यम्
(3) धर्मः
(4) दानम्

107. वसुधा एव अस्माकं परिवारोऽस्ति, इति के मन्यन्ते?
(1) परोपकारिणः
(2) संन्यासिनः
(3) परिव्राजकाः
(4) उदारचरितः

108. लघुचेतसां विचाराणि कीदृशानि भवन्ति?
(1) वयं सर्वेषु श्रेष्ठाः
(2) सर्वमेव धनं अस्ति अस्माकम्
(3) अयं निजः अयं परः
(4) सर्वे जनाः स्वार्थिनः सन्ति

109. 'वसुधैव' अस्मिन् पदे का सन्धिः?
(1) अच्सन्धिः
(2) विसर्गसन्धिः
(3) यण्सन्धिः
(4) हल्सन्धिः

110. 'प्राणैर्विमुच्यते' अस्मिन् पदे का सन्धिः?
(1) अच्सन्धिः
(2) विसर्गसन्धिः
(3) हल्सन्धिः
(4) यण्सन्धिः

111. हिंसारहिता नराः किं प्राप्नुवन्ति?
(1) स्वर्गम्
(2) सौहार्दम्
(3) सम्मानम्
(4) शान्तिम्

निर्देशः —अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा प्रश्नानां (**112–120**) विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत।

आसीत् पुरा माधवो नाम कश्चिद् गोपालकः। तस्य गृहे नन्दिनी नामैका गौः आसीत्। तस्याः दुग्धं विक्रीय सः सुखेन जीवनं यापयति स्म। एकदा तस्य भागिनेयः तत्रागत्य सूचितवान्—मातुल! ''प्रतिवेशिनः श्रेष्ठिनः गृहे मासानन्तरम् एकः यज्ञः संपत्स्यते। तस्मिन् उत्सवे पञ्चाशत् किलोमितस्य क्षीरस्य आवश्यकता भविष्यति।'' इदमाकर्ण्य माधवः अचिन्तयत्—''पञ्चाशत् किलोमितं पयः; अस्तु दास्यामि। एतावन्मात्रं पयः विक्रीय बहुधनं प्राप्स्ये, येन एकस्य भवनस्य निर्माणं करिष्यामि''।

अथ प्रसन्नः माधवः स्वधेनुम् अहर्निशं सेवते। सः तस्याः रज्जुं धृत्वा तस्यै तृप्तिपर्यन्तं प्रभूतं घासादिकं ददाति, जलं पाययति, विषाणयोः तैलं करोति। प्रातः सायं च तां तिलकं करोति। यदा-कदा गुडादिकमपि भोजयति। स सर्वदा चिन्तयामास ''**एकवारं ग्रहीष्यामि पयोऽस्या प्राज्यमुत्सवे**''।

इत्थं सेवानिरतस्य तस्य एकः मासः व्यतीतः। अस्मिन्नन्तरे तस्य भार्या मालती पितृगृहात् प्रत्यावर्तत। माधवः तां तत्सर्वं विस्तरेण अकथयत्। तौ सत्वरं कुम्भकारस्य गृहाद् घटदशकं क्रीतवन्तौ। तदैव प्रतिवेशी दुग्धाय तम् आकारयत्। माधवस्तु सपदि पञ्चोपचारैः गाम् अपूजयत्। पात्रहस्तः दोहनाय गोः समीपम् अगच्छत्। मासैकपर्यन्तं दुग्धस्य अदोहनात् दुग्धहीना सा माधवहस्ते पात्रं दृष्ट्वैव अकूर्दत्। माधवः पौनःपुन्येन प्रार्थयति—''नन्दिनि! कथं मां व्याकुलयसि? पञ्चाशत् किलोमितं क्षीरं सत्वरं यच्छ''।

पौनःपुन्येन दोग्धुं प्रयतमानं माधवं सा पृष्ठपादाभ्यां ताडयित्वा रक्तरञ्जितमकरोत्। तं तादृशावस्थायां वीक्ष्य मालती मूर्च्छिता जाता। बहुभिः उपचारैः तस्याः मूर्च्छां दूरीकृत्य माधवः ताम् अकथयत् मासान्तेऽहं धनी भविष्यामि इति चिन्तयित्वैव मासपर्यन्तं मया धेनुरेव न दुग्धा। अस्मात् कारणादियं दुग्धहीनाऽभवत्। देवि! भविष्यचिन्तायां तु मया स्वकीयं वर्तमानमपि विनाशितम्। एभिः रक्तबिन्दुभिः मम चक्षुरुन्मीलितं यत् लघ्वपि कार्यम् अविचार्य न कर्तव्यम्।

112. ''पञ्चाशत् किलोमितं पयः'' इत्यत्र 'पयः' इति शब्दः कस्मिल्लिङ्गे वर्तते?

(1) स्त्रीलिङ्गे (2) पुल्लिङ्गे
(3) स्त्रीलिङ्गे पुल्लिङ्गे च (4) नपुंसकलिङ्गे

113. ''विषाणयोः तैलं करोति'' इत्यत्र 'विषाणः' इत्यस्य कोऽर्थः प्रस्तुतप्रसङ्गे?

(1) क्षुरः (2) केशः
(3) शृङ्गः (4) पुच्छः

114. 'सः' शब्दस्य निष्पत्तिर्भवति—

(1) तद् + सु + पुल्लिङ्गे (2) यद् + सु + पुल्लिङ्गे
(3) तद् + सु + नपुंसकलिङ्गे (4) सद् + सु + पुल्लिङ्गे

115. तौ कुम्भकारस्य गृहात् कति घटकानि क्रीतवन्तौ?

(1) सप्त (2) दशः
(3) पञ्च (4) द्वादशः

116. अधोऽङ्कितेषु क्षीरस्य पर्यायवाचिशब्दोऽस्ति—

(1) पयः (2) दधि
(3) संयावः (4) घृतम्

117. नन्दिनी इति कस्य नाम?

(1) माधवस्य स्त्रियाः (2) माधवस्य दुहितुः
(3) माधवस्य मातुः (4) माधवस्य गोः

118. ''भविष्यचिन्तायां तु मया स्वकीयं वर्तमानमपि विनाशितम्'' इति कस्य कथनम्?

(1) भागिनेयस्य (2) माधवस्य
(3) रामगोपालस्य (4) दुहितुः

119. ''लघ्वपि कार्यम् अविचार्य न कर्तव्यम्'' इत्यत्र 'कर्तव्यम्' इत्यस्य निष्पत्तिर्भवति—

(1) कृ + तव्यत् (2) कृ + यत्
(3) कृत + क्यप् (4) किर् + तव्यत्

120. मालती केन कारणेन मूर्च्छिता सञ्जाता?

(1) मृतां गाम् अवलोक्य (2) मृतं पुत्रम् अवलोक्य
(3) माधवं रक्तरञ्जितमवलोक्य (4) माधवं मृतमवलोक्य

Prepp
Your Personal Exams Guide

अभ्यर्थिनः **पञ्चमभागस्य** (**Part–V**) प्रश्नानाम् (प्र० सं० **121–150**) उत्तराणि दद्युः, यदि तैः **संस्कृतं द्वितीयभाषा** (**Language—II**)-रूपेण चितम्।

Candidates should attempt the questions from **Part–V (Q. Nos. 121–150)**, if they have opted **SANSKRIT** as **Language—II** only.

Prepp
Your Personal Exams Guide

PART—V / भागः —V

LANGUAGE—II / भाषा—II
Sanskrit / संस्कृतम्

अभ्यर्थिनः **पञ्चमभागस्य** (Part–V) प्रश्नानाम् (प्र० सं० **121–150**) उत्तराणि दद्युः, यदि तैः **संस्कृतं द्वितीयभाषा** (Language—II)-रूपेण चितम्।

121. केनापि बालकेन मातृभाषायाः अधिगमः सामान्यतया किं मन्यते?

(1) भाषायाः अधिगमः

(2) भाषायाः आत्मसात्करणम्

(3) अमूर्त-भाषा-विकासः

(4) भाषायाः अधिग्रहणम्

122. एकः सक्रियश्रोता तत्क्षणमेव अवगच्छति—

(1) यत्किञ्चित् अपि वक्ता कथितुं प्रयतते

(2) अपरः व्यक्तिः किं कथयति

(3) वक्ता किं वक्तुमिच्छति

(4) तस्मिन्निहिततर्कः, यत् कथनं वक्ता वक्तुम् इच्छति

123. कक्षायां काव्यं पाठनाय अध्यापकः सर्वादौ कवितां पठति, अनन्तरं तेन छात्राः समूहकार्ये नियोजिताः। एकेन समूहेन कवितायाः विषयः लिखितः, अपरेण समूहेन मुख्य पात्रस्य वर्णनाय चित्रं चित्रितम्, तथा च तृतीयेन समूहेन कवितायाः सारांशो लिखितः। अस्य गतिविधेः किमुद्देश्यम्?

(1) कक्षायां सर्वान् छात्रान् संलग्नीकर्तुम्

(2) शिक्षार्थिनां विविधाः योग्यताः रुचीः च पोषणाय

(3) शिक्षार्थिनः आकलनार्थं सज्जीकरणम्

(4) शिक्षार्थिनां ध्यानं भङ्गीकरणम्

124. द्वितीयभाषाकक्षा सामान्यतया विविधभाषासमेकिता वर्तते। एतादृश्यां कक्षायाम् अध्यापकानां भूमिका छात्राणां कृते किं प्रदाने भवति?

(1) अपेक्षितकौशलान् संवर्धयितुं सुविधाजनकपर्यावरणम्

(2) पाठ्यस्य सारांशः सरलीकृतस्वरूपः च

(3) पर्याप्तस्वव्याख्यात-सामग्री

(4) समग्रपाठ्यक्रमयुक्तानि विविधकार्यविषयकानि कार्यपत्राणि

Prepp
Your Personal Exams Guide

125. भवता एतादृशं परीक्षापत्रकं निर्मितं येन भवताम् अपेक्षा अस्ति यत् छात्राः कालरूपाणाम् (लकाररूपाणाम्) योजकचिह्नानां कारकाणां विशेषणानाञ्च उचितं प्रयोगं ज्ञापयेयुः। भवता अस्यां परीक्षायां कतम उपागमः प्रयुक्तः?

(1) अप्रत्यक्षव्याकरणपरीक्षणम्
(2) मिश्रितव्याकरणकार्यम्
(3) समेकितव्याकरणपरीक्षणम्
(4) प्रत्यक्षव्याकरणपरीक्षणम्

126. शिशवः प्रारम्भिकायामवस्थायां भित्तिकायाम्, भूमौ, कार्यपुस्तिकायाञ्च अस्पष्टाक्षरैर् लिखन्ति। भाषायाः अधिगमस्य एषा अवस्था कथ्यते——

(1) उद्गामी-साक्षरता
(2) लेखनकौशलम्
(3) लेखनचित्रविकासः
(4) अस्पष्टाक्षरम्

127. सम्प्रेषणात्मकं भाषाशिक्षणं कस्यां पारस्परिकनिर्भतायां बलं ददाति?

(1) भाषा वार्तालापश्च
(2) भाषा व्यवहारश्च
(3) भाषा मनोविज्ञानश्च
(4) भाषा सम्प्रेषणश्च

128. भवान् स्वकीयायाः कक्षायाः छात्राणाम् अधिगमप्रक्रियायाः उपाख्यानात्मकानि-अभिलेखानि गृहीतुमिच्छति। उद्देश्यमिदं प्राप्तुं अधोऽङ्कितेषु किमुपयुक्तम्?

(1) परियोजना-विधिः
(2) मौखिक-विधिः
(3) अवलोकन-विधिः
(4) प्रदत्तकार्य-विधिः

129. अधोऽङ्कितेषु व्याकरणसन्दर्भे किमुचितम्?

(1) व्याकरणं नियमसमूहान् प्रस्तौति, यानि नियमानि व्यवहारात्पूर्वं कण्ठस्थीकरणीयानि
(2) व्याकरणं भाषाणां व्यवस्था अस्ति, यत् अस्माकं वाचनलेखनकौशलान् परिष्करोति
(3) विदेशीयभाषाया अधिगमे नास्ति कापि भूमिका व्याकरणस्य
(4) वाक्प्रवाहे व्याकरणस्य ज्ञानं सहायकं भवति

130. यदा शिशवः अल्पायु-बालाश्च एतादृशे परिवेशे वसन्ति यत्र तेषां भाषां प्रति उद्घाटनम् (Exposure) अनुभवो वा न वर्तते, तेषां भाषाविकासः प्रकृष्टरूपेण बाधितः भवति। एता बाधकता अपरिवर्तनीया भवति। एतां व्याख्यां कतमा पदावली समर्थ्यति?

(1) विकासस्य संवेदनशीलावस्थाः
(2) सामाजिकभाषिकता (Sociolinguistics)
(3) अर्थविज्ञानम् (Semantics)
(4) सहजवादः (Nativism)

131. व्याकरणस्य शिक्षणं केन प्रकारेण स्यात्?

(1) शिक्षार्थिभ्यो लिखितं कार्यं कारयित्वा
(2) नियमकण्ठस्थीकरणाय छात्राणाम् उत्साहवर्धनम्
(3) छात्रेभ्यः पर्याप्तं कार्यप्रदानम्
(4) सन्दर्भे अभ्यासस्य अवसरप्रदानेन

Prepp
Your Personal Exams Guide

132. भवान् स्वकक्षायाम् एकं भाषासमृद्धवातावरणं निर्मातुमिच्छति। एतदर्थं भवता किं कर्तव्यम्?

(1) स्वकक्षायां भाषाप्रयोगशालायाः स्थापनम्

(2) भाषाक्रीडाः भाषागतिविधीः च क्रेतुं अभिभावकानां मनोबलवर्धनम्

(3) तादृशम् अवसरप्रदानं यत्र छात्रैः भाषा दृश्यते सूच्यते प्रयुज्यते च

(4) कक्षायां सम्प्रेषणकाले छात्रैः आङ्गलभाषा एव प्रयोक्तव्या एतदर्थं छात्राणाम् उत्साहवर्धनम्

133. द्वितीयायाः भाषायाः अधिगमसिद्धान्ते—अर्जनम्, अवलोकनम्, स्वाभाविकम्, निवेशः, प्रधानापरिकल्पना एतादृशी शब्दावली केन प्रदत्ता?

(1) स्टीवनपिंकर
(2) चॉमस्की
(3) स्टीफन क्रेशन्
(4) वायगोत्सकी

134. अधोलिखितेषु कस्मिन् स्तरनिर्धारणस्य क्रमस्य च सिद्धान्तः संलग्नः वर्तते?

(1) स्तरनिर्धारणम् (Gradation)
(2) अभ्यासनिर्माणम् (Habit formation)
(3) स्वाभाविकमार्गस्यानुसरणम्
(4) नियन्त्रिता-शब्दावलिः

135. भवतां संज्ञाने आगतं यत् छात्रेभ्यः लक्ष्यभाषायाः कतिपयानि उदाहरणानि प्रस्तोतव्यानि, तथा च ते तेषां अनुकरणं करणाय प्रतिक्रियाप्रदानाय च प्रोत्साहनीयाः। उद्देश्यमिदं प्राप्तुं अधोऽङ्कितेषु कः विधिः सर्वोपयुक्तोऽस्ति?

(1) सम्प्रेषणात्मकं भाषाशिक्षणम्
(2) श्रव्यभाषिकविधिः
(3) व्याकरणानुवादविधिः
(4) प्रत्यक्षविधिः

निर्देशः —अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा प्रश्नानां (**136–142**) विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत।

आदिगुरोः शङ्कराचार्यस्य जन्म केरलप्रान्ते कालडीनामके ग्रामे अभवत्। अस्य पितुः नाम शिवगुरुः आसीत्। अस्य जन्मनः प्रागेव सः दिवंगतः। माता आर्याम्बा एवास्य पालनमकरोत्। जन्मनैव प्रतिभासम्पन्नतया स कुलोचिताः विद्याः शीघ्रमेव अधीतवान्। मनसा, वचसा कर्मणा च विरक्तः शङ्करः मातरं संन्यासस्यानुमतिम् अयाचत्। पुत्रस्नेहपरवशा सा शङ्करस्य इमां प्रार्थनां न स्वीकृतवती।

एकदा शङ्करः नद्यां स्नातुं गतः। तत्र नक्रेण गृहीतः स उच्चैः आक्रोशत्। आक्रोशं श्रुत्वा माता नदीतीरं गता पुत्रं च नक्रेण गृहीतम् अपश्यत्। शङ्करः अवदत्—''अम्ब! यदि संन्यासं ग्रहीतुं मामनुमंस्यसे तर्हि अहं नक्रात् मुक्तो भविष्यामि।'' अनिच्छन्त्यपि माता—''वत्स! यथा तुभ्यं रोचते तथा कुरु'' इति कष्टेनाकथयत्। एतच्छ्रुत्वा शङ्करः नक्रात् मुक्तः अभवत्। नद्याः बहिर्निर्गत्य मातुः चरणयोः प्रणामं कृत्वा सः अवदत्, ''मातः! यद्यपि गच्छाम्यहं संन्यासाय तथापि यदैव त्वं मां स्मरिष्यसि तदैव उपस्थितो भविष्यामि।'' एवं प्रतिज्ञाय गृहात् निरगच्छत्।

अथ परिव्राजकैः सह देशाद्देशं पर्यटन् शङ्करः काश्यां गोविन्दपादाचार्येभ्यः वेदान्तविद्यामधीतवान्। अनन्तरं मुख्यानाम् उपनिषदां ब्रह्मसूत्राणां श्रीमद्भगवद्गीतायाश्च भाष्याणि अरचयत्। अनेन विरचितानि बहूनि स्तोत्रकाव्यान्यपि सन्ति येषु भजगोविन्दस्तोत्रम् अतीव लोकप्रियमस्ति।

एवं मन्यते यत् मरणासन्ना माता यदैवास्य स्मरणं अकरोत् तदैवायं तत्समीपम् आगच्छत्। दिवंगतायां मातरि संन्यस्तोऽपि सः पुत्रोचितं सर्वं कृत्यं सम्पादितवान्। ततः सर्वतः परिभ्रमन् स जनेभ्यः अद्वैतवेदान्तसिद्धान्तस्य ज्ञानमुपदिष्टवान्। अस्मिन्नेव प्रचारक्रमे स द्वारिकायां बदर्यां जगन्नाथपुर्यां शृङ्गेर्यां च चतुरः मठान् समस्थापयत्। अन्ते च द्वात्रिंशे एव वयसि स ब्रह्मभावम् उपगतः।

136. शङ्कराचार्यस्य निर्वाणं कस्यामवस्थायामभवत्?

(1) द्वाविंशे वर्षे
(2) त्रयस्त्रिंशे वर्षे
(3) चत्वारिंशे वर्षे
(4) द्वात्रिंशे वर्षे

Prepp
Your Personal Exams Guide

137. शङ्कराचार्येण अधोऽङ्कितेषु कुत्र मठं स्थापितम्?

(1) हरिद्वारे
(2) वाराणस्याम्
(3) जगन्नाथपुर्याम्
(4) उज्जैने

138. ''अहं नक्रात् मुक्तो भविष्यामि'' इत्यत्र 'अहम्' इत्यस्य निष्पत्तिर्भवति—

(1) अस्मद् शब्दात्
(2) भवत् शब्दात्
(3) एतद् शब्दात्
(4) युष्मद् शब्दात्

139. ''नद्यां स्नातुं गतः'' इत्यत्र 'स्नातुम्' इत्यस्मिन् पदे को धातुः कश्च प्रत्ययः?

(1) स्ना + णमुल्
(2) स्ना + ण्वुल्
(3) स्ना + क्तवतु
(4) स्ना + तुमुन्

140. शङ्करः केभ्यः वेदान्तविद्यामधीतवान्?

(1) श्रीपादाचार्येभ्यः
(2) गोविन्दपादाचार्येभ्यः
(3) सुरेश्वराचार्येभ्यः
(4) प्रभुपादाचार्येभ्यः

141. ''स कुलोचिताः विद्याः शीघ्रमेव अधीतवान्'' इत्यत्र 'अधीतवान्' इत्यस्य निष्पत्तिर्भवति—

(1) अधि + इण् + क्तवतु
(2) अधि + इत् + क्तवतु
(3) अधि + इण् + कानच्
(4) अधि + इङ् + क्तवतु

142. शङ्कराचार्यः कस्य सिद्धान्तस्य प्रचारमकरोत्?

(1) द्वैतवेदान्तसिद्धान्तस्य
(2) अद्वैतवेदान्तसिद्धान्तस्य
(3) विशिष्टाद्वैतवेदान्तसिद्धान्तस्य
(4) त्रैतवादसिद्धान्तस्य

निर्देशः —अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा प्रश्नानां (**143–150**) विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत।

एकदा मोहनदासः मित्रैः सह एकं नाटकं द्रष्टुमगच्छत्। तस्मिन् राज्ञः हरिश्चन्द्रस्य कर्मनिष्ठा गहनतमा सत्यभक्तिश्च प्रदर्शिते आस्ताम्। असौ निजपत्न्याः अपि श्मशानकरं गृहीत्वा सत्यमपालयत्। नाटकं दृष्ट्वा मोहनदासस्य चेतसि महत् परिवर्तनं सञ्जातम्। असौ चिरम् अरोदीत् मनसि सङ्कल्पश्च अकरोत् यत् सत्यरक्षायां स हरिश्चन्द्र इव आचरिष्यति।

एकदा गाइल्सनामा विद्यालयनिरीक्षकः विद्यालयमागतः। तत्र एकस्यां कक्षायां बालानां वर्णविन्यासज्ञानं परीक्षितुमारभत। मोहनदासं विहाय सर्वे बालाः शुद्धं वर्णविन्यासम् अकुर्वन्।

सः केट्ल (Kettle) इत्यस्य शब्दस्य वर्णविन्यासं कर्तुं नाशक्नोत्।

आत्मनः संदिग्धां प्रतिष्ठां चिन्त्यमानः तस्य शिक्षकः आतङ्कितः अभवत्। सः शिक्षकः निकटस्थश्यामपट्टतः शुद्धां वर्तनीम् अनुकर्तुं सङ्केतेन मोहनदासं प्रैरयत्।

Prepp
Your Personal Exams Guide

यद्यपि निरीक्षकस्य ध्यानम् अन्यत्र आसीत् तथापि मोहनः सम्मुखमवलोकयन् अपि शिक्षकस्य अनुकरणं नाकरोत्। सहपाठिनाम् उपहासभूमिः भविष्यामि शिक्षकस्य कोपभाजनताञ्च गमिष्यामि इत्यपि सः नाचिन्तयत्। सः जानाति स्म यद् वञ्चनातः सत्यस्य गोपनं कदापि भवितुं नार्हति।

कक्षाया अनन्तरं मोहनस्य शिक्षकः तस्मै अकुप्यत्, सहपाठिनश्च तस्योपहासम् अकुर्वन्। यदायं गृहं परावर्तत तदात्मानं क्षतम् अवसन्नञ्च अन्वभवत्। परं गभीरे अन्तरात्मनि स्वसङ्कल्पं स्मारं स्मारं नवां द्युतिं नवं सामर्थ्यञ्च अधिगतवान्।

अत एवोक्तम्—

सत्यान्नास्ति परं तपः॥

143. 'अरोदीत्' इत्यस्मिन् पदे को धातुः कश्च लकारः किञ्च वचनम्?

(1) रुधिर् धातुः, लुङ्लकारः मध्यमपुरुषैकवचनम्
(2) रुद् धातुः, लङ्लकारः प्रथमपुरुषैकवचनम्
(3) रुद् धातु, लङ्लकारः उत्तमपुरुषैकवचनम्
(4) रुद् धातुः, लुङ्लकारः उत्तमपुरुषैकवचनम्

144. विद्यालयस्य निरीक्षकस्य परीक्षायां केन शुद्धं वर्णं न लिखितम्?

(1) विठ्ठलरावेण
(2) बालिकया
(3) छात्रेण
(4) मोहनदासेन

145. ''चेतसि महत् परिवर्तनं सञ्जातम्'' इत्यत्र 'सञ्जातम्' इत्यस्य पदस्य निष्पत्तिर्भवति—

(1) सम् + जन् + क्त
(2) सम् + जॄ + क्त
(3) सम् + जन् + टाप्
(4) सम् + ज्ञा + क्त

146. ''स्वसङ्कल्पं स्मारं स्मारं नवां द्युतिम्'' इत्यत्र 'स्मारं स्मारम्' इत्यत्र कः प्रत्ययः?

(1) तुमुन्
(2) मतुप्
(3) णमुल्
(4) ण्वुल्

147. ''नवं सामर्थ्यञ्च अधिगतवान्'' इत्यत्र 'अधिगतवान्' इत्यस्मिन् पदे कः प्रत्ययः?

(1) मतुप्
(2) क्तवतु
(3) शानच्
(4) शैषिक

148. ''सः जानाति स्म'' इत्यत्र 'सः' इत्यस्य निष्पत्तिर्भवति—

(1) 'तद्'-शब्दस्य एकवचनं पुल्लिङ्गे
(2) 'तद्'-शब्दस्य द्विवचनं पुल्लिङ्गे
(3) 'सद्'-शब्दस्य एकवचनं पुल्लिङ्गे
(4) 'तद्'-शब्दस्य एकवचनं स्त्रीलिङ्गे

149. किमस्ति परं तपः?

(1) सत्यम्
(2) अहिंसा
(3) ब्रह्मचर्यम्
(4) अस्तेयम्

150. मोहनदासः किं दृष्ट्वा चिरम् अरोदीत्?

(1) विद्यालयस्य निरीक्षकम्
(2) अध्यापकम्
(3) मित्रस्य मृत्युम्
(4) राज्ञः हरिश्चन्द्रस्य नाटकम्

Prepp
Your Personal Exams Guide

SPACE FOR ROUGH WORK

★ ★ ★

Prepp
Your Personal Exams Guide

अवधानपूर्वकम् एते निर्देशाः मनसि धारणीया—

1. विभिन्नप्रश्नानाम् उत्तरं कथं प्रदेयमिति प्रश्नपत्रे व्याख्यातम् अस्ति। प्रश्नानाम् उत्तरलेखनात् पूर्वं तत् अवश्यं पठनीयम्।
2. प्रत्येकं प्रश्नार्थं चत्वारि वैकल्पिकोत्तराणि निर्दिष्टानि, तेषु समुचितोत्तरप्रदानार्थं ओ० एम० आर० (OMR) उत्तर-पत्रिकायाः पृष्ठे-2 **केवलम् एकमेव वृत्तं पूर्णरूपेण कृष्ण/नील-बाल-पाइन्ट-लेखन्याः** प्रपूरणीयम्। एकवारम् उत्तराङ्कनान्तरं न तत्परिवर्तयितुं शक्यते।
3. परीक्षार्थिभिः उत्तर-पत्रं नैव तिर्यक्करणीयम्, न च कथंकारमपि तद् अन्यथाप्रकारेण अङ्कनीयम्। परीक्षार्थी स्वीयानुक्रमाङ्कम् उत्तर-पत्रे निर्धारितस्थानातिरिक्तम् अन्यत्र कुत्रापि न लिखेत्।
4. परीक्षा-पुस्तिकायाः उत्तर-पत्रस्य च प्रयोगः सावधानं करणीयः। कस्यामपि परिस्थितौ (केवलं तां परिस्थितिं विहाय यदा परीक्षा-पुस्तिकायाः उत्तर-पत्रस्य च सङ्केतके सङ्ख्यायां वा भिन्नता दृश्यते) द्वितीय-परीक्षा-पुस्तिका नोपलभ्या एव।
5. परीक्षा-पुस्तिकायाम् उत्तर-पत्रे च प्रदत्त-सङ्केतक-सङ्ख्या परीक्षार्थिभिः उपस्थितिपत्रके सम्यक्रीत्या अवश्यमेव लेखनीया।
6. ओ० एम० आर० (OMR) उत्तर-पत्रिकायां कूटस्थ (Coded) सूचनानां पठनं यन्त्रद्वारा भविष्यति। अतः कापि सूचना असम्पूर्णा न स्यात्। तथैव प्रवेशपत्रस्य सूचनातः भिन्ना सूचना न प्रदेया।
7. प्रवेशपत्रं विहाय अन्य-मुद्रित-लिखित-पाठ्यसामग्री कर्गदचिटिकां 'पेजरम्' इति चलदूरभाषां, विद्युत्-उपकरणानि अथवा कामपि अन्यसामग्रीं परीक्षाभवनं कक्षं वा नेतुम् अनुमतिः न अस्ति।
8. परीक्षा गृहे/प्रकोष्ठे मोबाइलयन्त्रं वेतारसूचनायन्त्रं (स्वीच आफ कृत्वा अपि) अन्यानि च प्रतिबन्धितवस्तूनि नैव आनेतव्यानि। एतस्य नियमस्य उल्लङ्घनम् अनुचितमार्गावलम्बनम् इति विधास्यते यस्य कृते दण्डस्य विधानम् अस्ति। परीक्षातः निष्कासनम् अपि भवितुम् अर्हति।
9. निरीक्षणसमये परीक्षार्थिभिः प्रवेशपत्रं निरीक्षकाय अवश्यं दर्शनीयम्।
10. केन्द्र अधीक्षकस्य निरीक्षकस्य वा अनुमतिं विना परीक्षार्थिभिः स्थानं न परित्यक्तव्यम्।
11. कार्यरतनिरीक्षकाय उत्तर-पत्रं दत्त्वा उपस्थितिपत्रके च हस्ताक्षरं पुनः कृत्वा एव परीक्षार्थिभिः परीक्षाभवन-कक्षं वा परित्यक्तव्यं न अन्यथा। यदि केनापि परीक्षार्थिना उपस्थितिपत्रिकायां पुनः हस्ताक्षरं न क्रियते तर्हि 'परीक्षार्थिना उत्तर-पत्रं न दत्तम्' इति अभिप्रायः। इदम् अनुचितसाधनानां प्रयोगस्य रूपम् इति मन्तव्यम्।
12. वैद्युत-हस्तचालित-परिकलकस्य उपयोगः सर्वथा वर्जितः।
13. परीक्षाभवने कक्षे वा अनुकूलाचरणाय परीक्षार्थिनः सङ्घटनस्य सर्वैः नियमैः विनियमैः वा नियमिताः। अनुचितसाधनानाम् उपयोगेन सम्बद्धाः निर्णयाः सङ्घटनस्य नियम-विनियम-अनुवर्तनीयाः एव।
14. कस्यामपि परिस्थितौ परीक्षा-पुस्तिकायाः उत्तर-पत्रस्य वा कोऽपि भागः पृथक् न करणीयः।
15. **परीक्षासम्पन्नानन्तरं परीक्षार्थिनः परीक्षाभवन-परित्यजनात् पूर्वं उत्तर-पत्रं कक्षनिरीक्षकाय अवश्यमेव प्रदास्यन्ति। परीक्षार्थिनः इमां परीक्षा-पुस्तिकां नेतुम् अनुमताः।**

निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़ें :

1. जिस प्रकार से विभिन्न प्रश्नों के उत्तर दिए जाने हैं उसका वर्णन परीक्षा पुस्तिका में किया गया है, जिसे आप प्रश्नों का उत्तर देने से पहले ध्यान से पढ़ लें।
2. प्रत्येक प्रश्न के लिए दिए गए चार विकल्पों में से सही उत्तर के लिए OMR उत्तर-पत्र के **पृष्ठ-2** पर केवल एक वृत्त को ही पूरी तरह **नीले/काले बॉलपॉइंट पेन** से भरें। एक बार उत्तर अंकित करने के बाद उसे बदला नहीं जा सकता है।
3. परीक्षार्थी सुनिश्चित करें कि इस उत्तर-पत्र को मोड़ा न जाए एवं उस पर कोई अन्य निशान न लगाएँ। परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक उत्तर-पत्र में निर्धारित स्थान के अतिरिक्त अन्यत्र न लिखें।
4. परीक्षा पुस्तिका एवं उत्तर-पत्र का ध्यानपूर्वक प्रयोग करें, क्योंकि किसी भी परिस्थिति में (केवल परीक्षा पुस्तिका एवं उत्तर-पत्र के कोड या संख्या में भिन्नता की स्थिति को छोड़कर) दूसरी परीक्षा पुस्तिका उपलब्ध नहीं करायी जाएगी।
5. परीक्षा पुस्तिका/उत्तर-पत्र में दिए गए परीक्षा पुस्तिका कोड व संख्या को परीक्षार्थी सही तरीके से उपस्थिति-पत्र में लिखें।
6. OMR उत्तर-पत्र में कोडित जानकारी को एक मशीन पढ़ेगी। इसलिए कोई भी सूचना अधूरी न छोड़ें और यह प्रवेश-पत्र में दी गई सूचना से भिन्न नहीं होनी चाहिए।
7. परीक्षार्थी द्वारा परीक्षा हॉल/कक्ष में प्रवेश-पत्र के सिवाय किसी प्रकार की पाठ्य-सामग्री, मुद्रित या हस्तलिखित, कागज की पर्चियाँ, पेजर, मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण या किसी अन्य प्रकार की सामग्री को ले जाने या उपयोग करने की अनुमति नहीं है।
8. मोबाइल फोन, बेतार संचार युक्तियाँ (स्विच्ड ऑफ अवस्था में भी) और अन्य प्रतिबंधित वस्तुएँ परीक्षा हॉल/कक्ष में नहीं लाई जानी चाहिए। इस सूचना का पालन न होने पर इसे परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग माना जाएगा और परीक्षार्थी के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी, परीक्षा रद्द करने सहित।
9. पूछे जाने पर प्रत्येक परीक्षार्थी, निरीक्षक को अपना प्रवेश-पत्र दिखाएँ।
10. केन्द्र अधीक्षक या निरीक्षक की विशेष अनुमति के बिना कोई परीक्षार्थी अपना स्थान न छोड़ें।
11. कार्यरत निरीक्षक को अपना उत्तर-पत्र दिए बिना एवं उपस्थिति-पत्र पर दुबारा हस्ताक्षर किए बिना परीक्षार्थी परीक्षा हॉल/कक्ष नहीं छोड़ेंगे। यदि किसी परीक्षार्थी ने दूसरी बार उपस्थिति-पत्र पर हस्ताक्षर नहीं किए, तो यह माना जाएगा कि उसने उत्तर-पत्र नहीं लौटाया है और यह अनुचित साधन का मामला माना जाएगा। **परीक्षार्थी अपने बाएँ हाथ के अँगूठे का निशान उपस्थिति-पत्र में दिए गए स्थान पर अवश्य लगाएँ।**
12. इलेक्ट्रॉनिक/हस्तचालित परिकलक का उपयोग वर्जित है।
13. परीक्षा हॉल/कक्ष में आचरण के लिए परीक्षार्थी परीक्षण संस्था के सभी नियमों एवं विनियमों द्वारा नियमित हैं। अनुचित साधनों के सभी मामलों का फैसला परीक्षण संस्था के नियमों एवं विनियमों के अनुसार होगा।
14. किसी हालत में परीक्षा पुस्तिका और उत्तर-पत्र का कोई भाग अलग न करें।
15. **परीक्षा सम्पन्न होने पर, परीक्षार्थी हॉल/कक्ष छोड़ने से पूर्व उत्तर-पत्र निरीक्षक को अवश्य सौंप दें। *परीक्षार्थी अपने साथ इस परीक्षा पुस्तिका को ले जा सकते हैं।***

READ THE FOLLOWING INSTRUCTIONS CAREFULLY :

1. The manner in which the different questions are to be answered has been explained in the Test Booklet which you should read carefully before actually answering the questions.
2. Out of the four alternatives for each question, only one circle for the correct answer is to be darkened completely with **Blue/Black Ballpoint Pen** on **Side-2** of the OMR Answer Sheet. The answer once marked is not liable to be changed.
3. The candidates should ensure that the Answer Sheet is not folded. Do not make any stray marks on the Answer Sheet. Do not write your Roll No. anywhere else except in the specified space in the Answer Sheet.
4. Handle the Test Booklet and Answer Sheet with care, as under no circumstances (except for discrepancy in Test Booklet Code or Number and Answer Sheet Code or Number), another set will be provided.
5. The candidates will write the correct Test Booklet Code and Number as given in the Test Booklet/Answer Sheet in the Attendance Sheet.
6. A machine will read the coded information in the OMR Answer Sheet. Hence, no information should be left incomplete and it should not be different from the information given in the Admit Card.
7. Candidates are not allowed to carry any textual material, printed or written, bits of papers, pager, mobile phone, electronic device or any other material except the Admit Card inside the Examination Hall/Room.
8. Mobile phones, wireless communication devices (even in switched off mode) and the other banned items should not be brought in the Examination Hall/Room. Failing to comply with this instruction, it will be considered as using unfair means in the examination and action will be taken against the candidate including cancellation of examination.
9. Each candidate must show on demand his/her Admit Card to the Invigilator.
10. No candidate, without special permission of the Centre Superintendent or Invigilator, should leave his/her seat.
11. The candidates should not leave the Examination Hall/Room without handing over their Answer Sheet to the Invigilator on duty and sign the Attendance Sheet twice. Cases where a candidate has not signed the Attendance Sheet second time will be deemed not to have handed over the Answer Sheet and dealt with as an unfair means case. **The candidates are also required to put their left hand THUMB impression in the space provided in the Attendance Sheet.**
12. Use of Electronic/Manual Calculator is prohibited.
13. The candidates are governed by all Rules and Regulations of the Examining Body with regard to their conduct in the Examination Hall/Room. All cases of unfair means will be dealt with as per Rules and Regulations of the Examining Body.
14. No part of the Test Booklet and Answer Sheet shall be detached under any circumstances.
15. **On completion of the test, before leaving the Hall/Room, the candidate must hand over the Answer Sheet to the Invigilator in the Hall/Room. *The candidates are allowed to take away this Test Booklet with them.***